यूपी व जापान मिलकर बनाएंगे ग्रीन हाइड्रोजन के दो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

कानपुर और गोरखपुर में होंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, आईआईटी करेगा तकनीकी मदद

अमर उजाला ब्यूरो

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में जापान के यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिदेरा के बीच हुई बैठक में यूपी में दो ग्रीन हाईड्रोजन के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने पर सहमति बनीं। -सूचना विभाग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच ग्रीन हाइड्रोजन और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को लेकर अहम सहमति बनी है। इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से हुई उच्चस्तरीय बैठक में तय किया गया कि कानपुर और गोरखपुर में दो ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) स्थापित किए जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने की।

प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2024 के तहत यामानाशी प्रांत के साथ मिलकर इन केंद्रों को स्थापित करने में रुचि जताई है। इन केंद्रों का उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन से जुड़ी पूरी वैल्यू चेन में अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना है।

अगस्त में 200 जापानी सीईओ निवेश के लिए यूपी आएंगे

योजना के अनुसार, कानपुर में पहला केंद्र हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) परिसर में स्थापित किया जाएगा, जिसमें आईआईटी कानपुर सहयोग करेगा। दूसरा केंद्र गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बनाया जाएगा, जहां आईआईटी बीएचयू तकनीकी सहयोग देगा।

बैठक में यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिदेरा ने उत्तर प्रदेश के साथ ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं की सराहना की। उन्होंने यूपी सरकार को यामानाशी में होने वाले ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन में आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि अगस्त 2026 में 200 जापानी सीईओ का दल उत्तर प्रदेश आएगा, जिससे निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है। वहीं, कानाडेविया कॉर्पोरेशन ने पश्चिमी यूपी में 1 गीगावाट क्षमता का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र लगाने में रुचि दिखाई है।